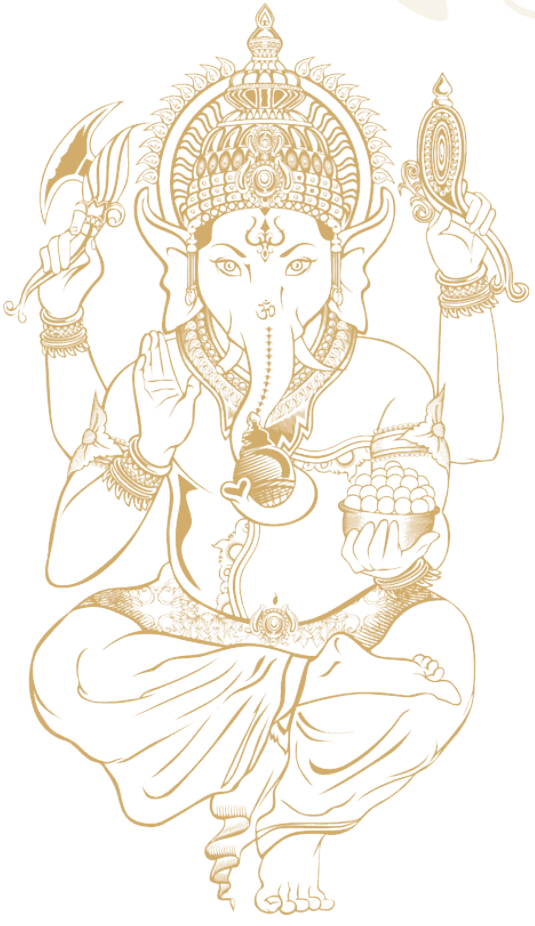

Gaurav Shukla

Nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121102901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121102901 Date: 29/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/10/1999	जन्म तिथि	17/10/2000
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	15:30:00 घंटे
घटी 42:47:00	जन्म समय(घटी)	23:46:56 घटी
India	देश	India
Jaunpur	स्थान	Mumbai
25:44:00 उत्तर	अक्षांश	18:58:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व	रेखांश	72:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44	स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:11	सूर्योदय	06:33:38
17:23:28	सूर्यास्त	18:14:13
23:51:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:48

कर्क	लग्न	कुम्भ
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
मेष	राशि	वृष
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
भरणी	नक्षत्र	रोहिणी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	4
सिद्धि	योग	वरियान
कौलव	करण	कौलव
लू-लूनेश	जन्म नामाक्षर	वू-वूली
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
गज	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 10वर्ष 0मा 15दि		05:35:32	कर्क	लग्न	कुंभ	09:43:33	चन्द्र 0वर्ष 9मा 10दि	
मंगल		08:00:31	तुला	सूर्य	तुला	00:28:13	राहु	
09/11/2025		19:58:21	मेष	चंद्र	वृष	22:17:40	28/07/2008	
09/11/2032		12:27:23	धनु	मंगल	सिंह	25:11:26	29/07/2026	
मंगल	07/04/2026	02:06:09	वृश्चि	बुध	तुला	21:51:10	राहु	11/04/2011
राहु	26/04/2027	05:48:43	मेष व	गुरु व	वृष	16:50:15	गुरु	03/09/2013
गुरु	01/04/2028	21:37:02	सिंह	शुक्र	वृश्चि	03:53:42	शनि	10/07/2016
शनि	10/05/2029	20:47:39	मेष व	शनि व	वृष	06:03:29	बुध	28/01/2019
बुध	08/05/2030	15:12:07	कर्क व	राहु व	मिथु	25:32:49	केतु	15/02/2020
केतु	04/10/2030	15:12:07	मक व	केतु व	धनु	25:32:49	शुक्र	15/02/2023
शुक्र	04/12/2031	19:00:54	मक	हर्ष व	मक	23:04:02	सूर्य	10/01/2024
सूर्य	10/04/2032	07:46:31	मक	नेप	मक	09:55:40	चन्द्र	10/07/2025
चन्द्र	09/11/2032	15:04:56	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	17:10:01	मंगल	29/07/2026

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:48

लग्न-चलित

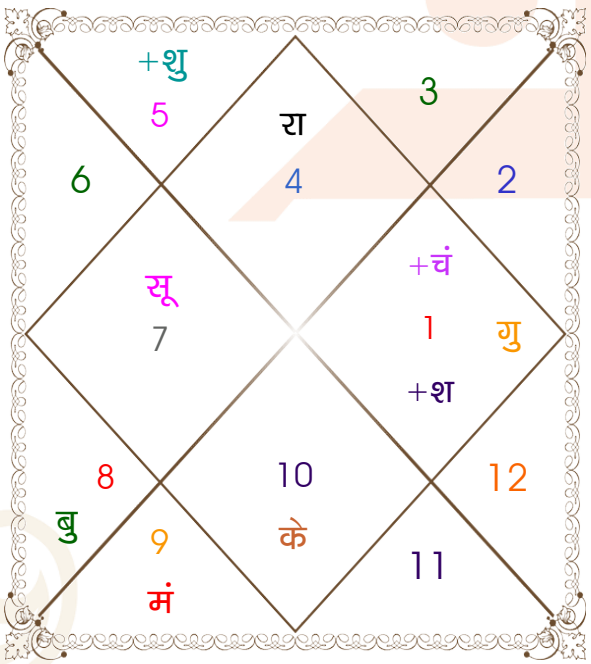

लग्न-चलित

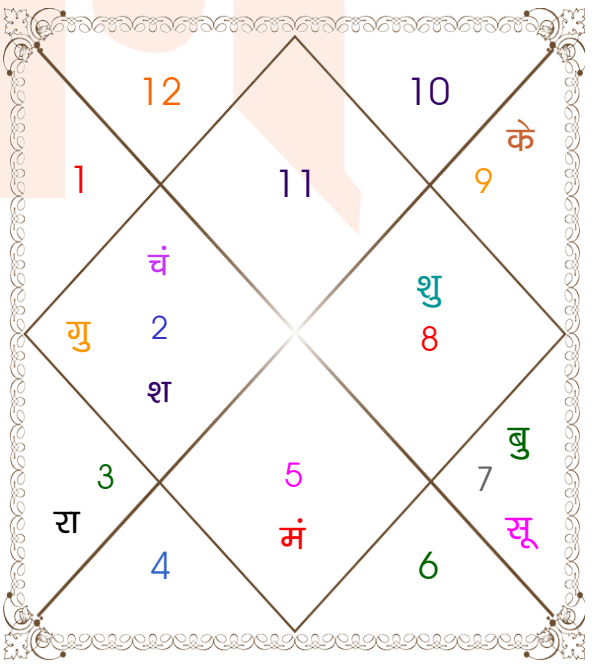

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : **23.5 / 36**

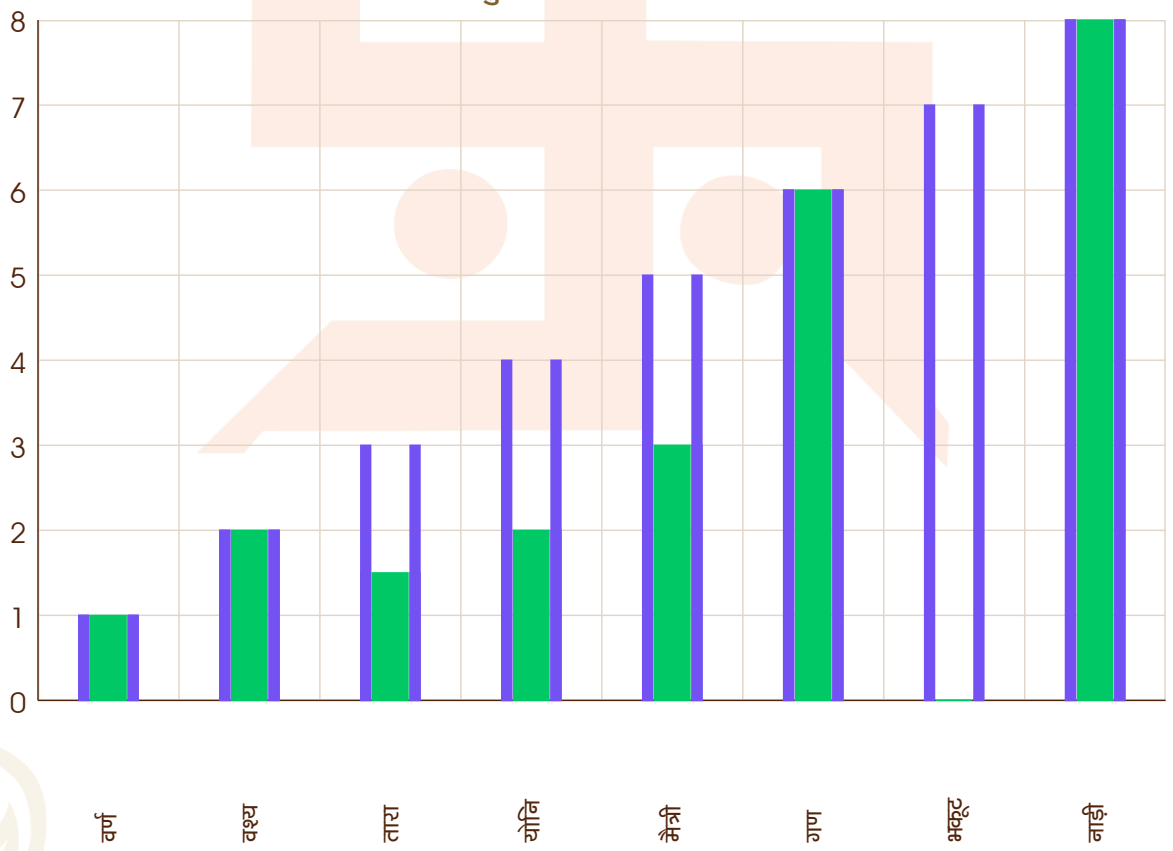

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ळंनतंअौनासं का वर्ग मृग है तथा Nidhi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळंनतंअौनासं और Nidhi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ळंनतंअौनासं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Nidhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळंनतंअौनासं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ळंनतंअौनासं तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ळंनतंअौनासं का वर्ण क्षत्रिय तथा Nidhi का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Nidhi आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Nidhi की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

ळंनतंअौनासं का वश्य चतुष्पद है एवं Nidhi का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ळंनतंअौनासं एवं Nidhi दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

ळंनतंअौनासं की तारा मित्र तथा Nidhi की तारा विपत है। Nidhi की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान ळंनतंअौनासं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Nidhi का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

ळंनतंअौनासं की योनि गज है तथा Nidhi की योनि सर्प है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ळंनतंअौनासं एवं Nidhi दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

ळंनतंअौनासं का गण मनुष्य तथा Nidhi का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे।˙ तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ळंनतंअौनासं से Nidhi की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Nidhi से ळंनतंअौनासं की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण ळंनतंअौनासं गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Nidhi समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर ळंनतंअौनासं शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

ळंनतंअौनासं की नाड़ी मध्य है तथा Nidhi की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान

अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ळंनतंअौनासं एवं Nidhi के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

Astro.Pt.Premshankar Sharma
Falit Jyotish & Remedies
Warangde Maan Boisar East Palghar Maharashtra.401501
Mo.No.+91 9721 1234 95
Mo.No.+91 9823 0403 89
astroptpremshankarsharma@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ळंनतंअौनासं की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा Nidhi की राशि पृथ्वीतत्व युक्त वृष राशि है। चूंकि अग्नि एवं पृथ्वी में समानताएं कम एवं असमानताएं अधिक हैं अतः इनकी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमताएं विद्यमान रहेंगी जिससे ये समय समय पर व्यवधानों का सामना करेंगे। अतः ळंनतंअौनासं और Nidhi दोनों को आपसी सांमजस्य एवं सहनशीलता के भाव को प्रदर्शित करना पड़ेगा तभी किंचित समता हो सकती है।

ळंनतंअौनासं की राशि मेष एवं Nidhi की राशि वृष दोनों एक दूसरे की सम हैं। अतः राशि के प्रभाव से ळंनतंअौनासं परिश्रमी, पराक्रमी, शीघ्र आवेग में आने वाले, अपने को श्रेष्ठ समझने वाले, असंयत अधिक व्यय करने वाले, बातूनी तथा आशावादी प्रवृति के व्यक्ति होंगे परन्तु Nidhi गम्भीर एवं अल्प भाषी, व्यावहारिक, अभिमानी तथा निराशावादी होंगी। इस प्रकार इनमें विषमताओं की प्रबलता रहेगी परन्तु एक दूसरे को समझने तथा परस्पर सामंजस्य से इसमें किंचित न्यूनता कर सकते हैं। आप दोनों की राशि एक दूसरे की राशि से द्वितीय-द्वादश में पड़ती है अतः इससे आपके व्यय में वृद्धि रहेगी फलतः आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

आप दोनों का वश्य चतुष्पाद है। अतः इसके प्रभाव से आपकी अभिरूचियां समान रहेंगी तथा दाम्पत्य सुख की प्राप्ति में परस्पर आकर्षण उत्साह एवं प्रसन्नता का भाव रहेगा जिससे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन में आपको शांति एवं सन्तुष्टि के क्षणों की प्राप्ति होगी।

ळंनतंअौनासं का वर्ण क्षत्रिय होने के कारण वह साहसी परिश्रमी एवं उत्साही व्यक्ति होंगे तथा कार्य क्षेत्र में परिश्रम एवं योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। Nidhi का वैश्य वर्ण होने के कारण व्यापारिक बुद्धि का प्रदर्शन करेंगी तथा बुद्धिमता से धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता प्रदान करने में उनका प्रमुख योगदान रहेगा।

धन

ळंनतंअौनासं और Nidhi की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया ळंनतंअौनासं और Nidhi समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Nidhi की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही ळंनतंअौनासं भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए ळंनतंअ

ौनासं और Nidhi को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

ळंनतंअौनासं की नाड़ी मध्य तथा Nidhi की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से ळंनतंअौनासं का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए ळंनतंअौनासं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से ळंनतंअौनासं और Nidhi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Nidhi के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Nidhi को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

ळंनतंअौनासं और Nidhi बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः ळंनतंअौनासं और Nidhi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Nidhi के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Nidhi यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Nidhi को कठिनाई का

सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Nidhi को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

ळंनतंअौनासं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में ळंनतंअौनासं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह ळंनतंअौनासं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही ळंनतंअौनासं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ळंनतंअौनासं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।